

सीड़ स्त्री. (तद्.) 1. वह नमी जो आस पास में पानी की अधिकता के कारण कहीं उत्पन्न हो जाती है, सील, सीलन 2. शीत, ठंडक।

सीढ़ी स्त्री. (तद्.) 1. ऊँचे स्थान पर पहुँचने के लिए बाँस, लकड़ी, पत्थर या धातु आदि से बना एक उपकरण 2. जीना 3. नसेनी।

सीढ़ीनुमा वि. (तद्.) 1. जो देखने में सीढ़ियों जैसा हो 2. जो क्रमशः ऊँचा होता गया हो।

सीत पुं. (तद्.) 1. शीत, जाड़ा, ठंड, सर्दी 2. कोहरा 3. पाला (देश.) 1. सीथ, पके हुए चावल के दाने 2. कण, दाना **वि.** (तद्.) श्वेत, सफेद।

सीतपकड़ पुं. (तद्.) 1. शीत द्वारा ग्रस्त होने का रोग। 2. हाथियों का एक रोग जो उन्हें सर्दी लगने से होता है।

सीतल वि. (तद्.) शीतल, ठंडा।

सीतलनुकनी स्त्री. (तद्.) 1. सत्तू 2. साधुओं की परिभाषा में संतों की बानी जो हृदय को शीतल करती है।

सीतलपाटी स्त्री. (तद्.) एक प्रकार की चटाई जो गर्मियों में, ठंडक देने के कारण लेटने-बैठने के काम आती है।

सीतला स्त्री. (तद्.) शीतला देवी, चेचक रोग की अधिष्ठात्री देवी।

सीता स्त्री. (तद्.) 1. भूमि जोतते समय हल के फाल के धँसने से भूमि पर बनी रेखा, कूँड 2. जोती हुई भूमि 3. कृषि, खेती 4. मिथिला की एक राजकुमारी 5. राम की पत्नी जानकी। 5. एक छंद विशेष जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, तगण, मगण, यगण और रगण के योग से 15 वर्ण होते हैं।

सीताजानि पुं. (तद्.) सीता के पति राम।

सीतात्यय पुं. (तद्.) किसानों पर होने वाला जुरमाना, खेती के संबंध का जुरमाना।

सीताधर पुं. (तद्.) सीता (हल) धारण करने वाला बलराम।

सीताध्यक्ष पुं. (तद्.) कृषि विभाग का अध्यक्ष।

सीतानाथ/सीता-पति पुं. (तद्.) सीता का पति राम।

सीताफल पुं. (तद्.) 1. शरीफा नामक फल 2. 'कुम्हड़ा', 'गंगाफल' या 'काशीफल' कही जाने वाली एक सब्जी।

सीतायज्ञ पुं. (तद्.) प्राचीन भारत में हल जोतने के समय होने वाला एक प्रकार का यज्ञ।

सीतारमण/सीतारवण/सीतारौन पुं. (तद्.) सीता-पति/राम।

सीतावट पुं. (तद्.) 1. प्रयाग और चित्रकूट के बीच वटवृक्ष वाला एक स्थान जहाँ वनबास के दौरान श्रीराम ठहरे थे 2. उक्त वृक्ष के आस पास का स्थान।

सीतावर पुं. (तद्.) सीता वल्लभ, सीतापति, रामचंद्र।

सीताहार पुं. (तद्.) एक प्रकार का पौधा।

सीत्कार स्त्री. (तद्.) सी-सी की ध्वनि, सिसकारी, सिसकी।

सीत्य वि. (तद्.) 1. जुता हुआ खेत 2. पुं. धान्य, अनाज, धान।

सीदना अ.क्रि. (तद्.) 1. कष्ट पाना, दुखी होना उदा. सीदहिं विप्र धेनु सुर धरनी-तुलसी मानस. 1-121-4 2. नष्ट होना।

सीदिया पुं. (देश.) सीदिया नामक एक देश, एक प्रदेश, यह दक्षिण पूर्वी यूरोप का एक प्राचीन देश था। शक लोग यहाँ के मूल निवासी हैं।

सीदी पुं. (देश.) सीदिया प्रदेश का निवासी, शक।

सीद्य पुं. (तद्.) 1. आलस्य, सुस्ती, शिथिलता 2. अकर्मण्यता, निकम्मापन।

सीद्यमान वि. (तद्.) ठंडा या सुस्त पड़ा हुआ।

सीध स्त्री. (तद्.) 1. सीधा होने का भाव या स्थिति, ठीक सामने की दिशा 2. ऋजुता, निशाना, शिस्त।

सीधा पुं. (तद्.) 1. न पकाई गई भोजन सामग्री (चावल, दाल आटा आदि) जो किसी को दान में दी जाती है **वि.** 2. ठीक सामने की ओर 3.